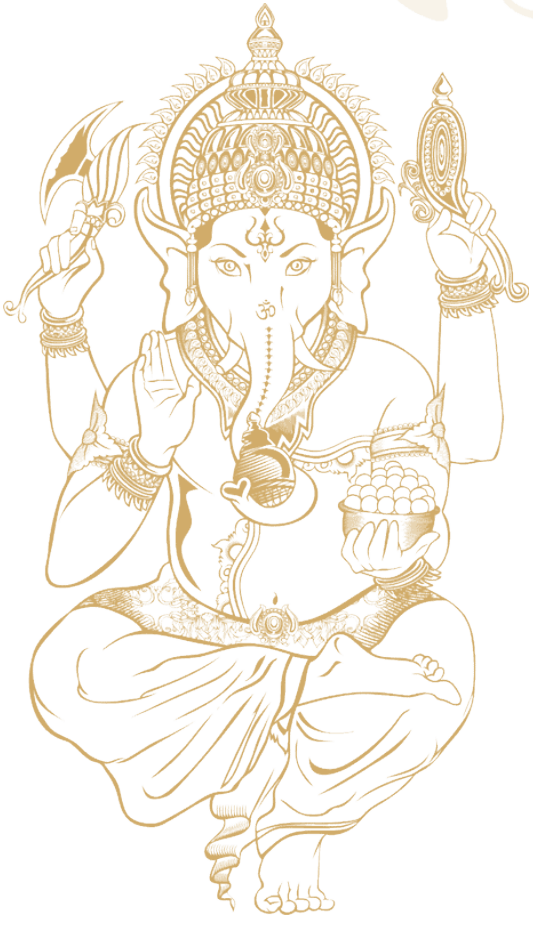

Somdatt sharma

16 Sep 1996

05:07 AM

Firozabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121796003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/09/1996**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:07:00 घंटे**
इष्ट	57:42:49 घटी
स्थान	**Firozabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:50:36 घंटे
वेलान्तर	00:04:49 घंटे
साम्पातिक काल	04:31:25 घंटे
सूर्योदय	06:01:52 घंटे
सूर्यास्त	18:20:46 घंटे
दिनमान	12:18:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	29:34:41 सिंह
लग्न के अंश	16:30:19 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:30:19	318:54:47	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	29:34:41	00:58:31	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	स्वराशि
चंद्र			तुला	04:12:57	12:44:09	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	10:01:27	00:37:13	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध	व	अ	कन्या	02:44:27	01:02:35	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु			धनु	14:15:03	00:02:21	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	15:41:07	01:06:00	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	10:59:22	00:04:32	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
राहु			कन्या	14:10:31	00:00:56	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	14:10:31	00:00:56	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:03:56	00:01:09	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:16:48	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:53:26	00:01:12	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	15:42:47	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:42

लग्न-चलित

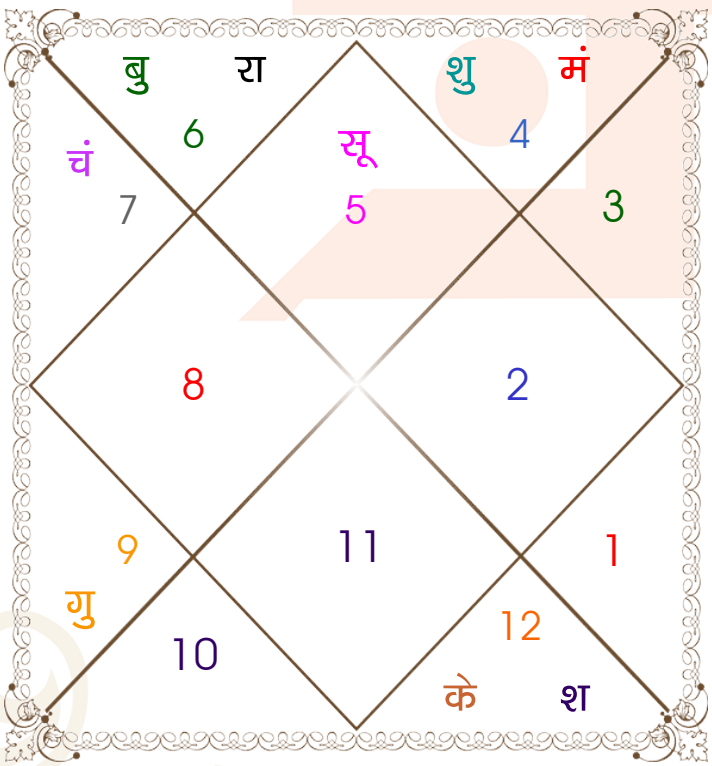

चन्द्र कुंडली

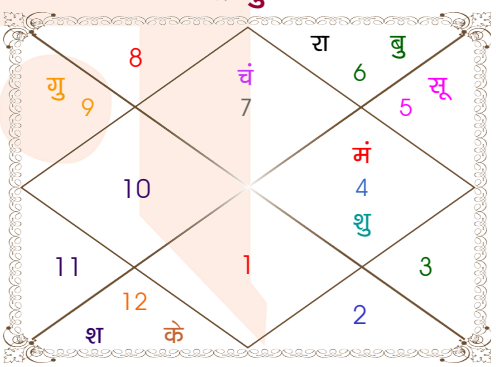

नवमांश कुंडली

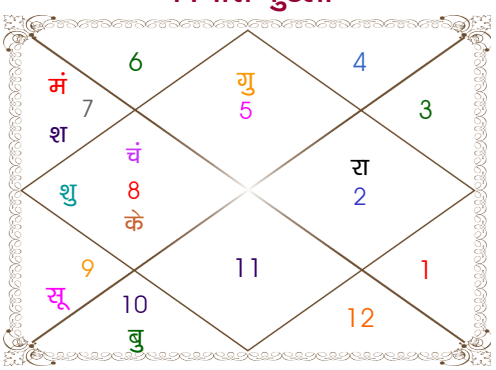

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 3 मास 13 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/09/1996		30/12/1997		30/12/2015		30/12/2031		30/12/2050	
30/12/1997		30/12/2015		30/12/2031		30/12/2050		30/12/2067	
	00/00/0000	राहु	11/09/2000	गुरु	16/02/2018	शनि	02/01/2035	बुध	28/05/2053
	00/00/0000	गुरु	04/02/2003	शनि	30/08/2020	बुध	11/09/2037	केतु	25/05/2054
	00/00/0000	शनि	11/12/2005	बुध	06/12/2022	केतु	21/10/2038	शुक्र	25/03/2057
	00/00/0000	बुध	30/06/2008	केतु	11/11/2023	शुक्र	21/12/2041	सूर्य	29/01/2058
	00/00/0000	केतु	18/07/2009	शुक्र	12/07/2026	सूर्य	03/12/2042	चंद्र	01/07/2059
	16/09/1996	शुक्र	18/07/2012	सूर्य	01/05/2027	चंद्र	03/07/2044	मंगल	27/06/2060
शुक्र	23/01/1997	सूर्य	12/06/2013	चंद्र	30/08/2028	मंगल	12/08/2045	राहु	14/01/2063
सूर्य	31/05/1997	चंद्र	12/12/2014	मंगल	06/08/2029	राहु	18/06/2048	गुरु	21/04/2065
चंद्र	30/12/1997	मंगल	30/12/2015	राहु	30/12/2031	गुरु	30/12/2050	शनि	30/12/2067

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/12/2067		30/12/2074		30/12/2094		30/12/2100		31/12/2110	
30/12/2074		30/12/2094		30/12/2100		31/12/2110		00/00/0000	
केतु	27/05/2068	शुक्र	30/04/2078	सूर्य	18/04/2095	चंद्र	31/10/2101	मंगल	29/05/2111
शुक्र	27/07/2069	सूर्य	01/05/2079	चंद्र	18/10/2095	मंगल	01/06/2102	राहु	16/06/2112
सूर्य	02/12/2069	चंद्र	29/12/2080	मंगल	23/02/2096	राहु	01/12/2103	गुरु	22/05/2113
चंद्र	03/07/2070	मंगल	01/03/2082	राहु	17/01/2097	गुरु	01/04/2105	शनि	01/07/2114
मंगल	29/11/2070	राहु	28/02/2085	गुरु	05/11/2097	शनि	31/10/2106	बुध	28/06/2115
राहु	18/12/2071	गुरु	30/10/2087	शनि	18/10/2098	बुध	31/03/2108	केतु	25/11/2115
गुरु	23/11/2072	शनि	30/12/2090	बुध	24/08/2099	केतु	31/10/2108	शुक्र	17/09/2116
शनि	02/01/2074	बुध	30/10/2093	केतु	30/12/2099	शुक्र	01/07/2110		00/00/0000
बुध	30/12/2074	केतु	30/12/2094	शुक्र	30/12/2100	सूर्य	31/12/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 3 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।